ESSAY WRITING COMPETITION

FIRST POSITION	:	MS. REENA RANI, JR. HINDI TRANSLATOR HINDI SECTION
SECOND POSITION	:	MS. SREEJA NAIR, DEO, STORE SECTION, R.P. CENTRE
THIRD POSITION	:	MS. AMRINDER KAUR, JR. HINDI TRANSLATOR HINDI SECTION

SLOGAN WRITING COMPETITION

FIRST POSITION	:	MR. JEET SINGH, JR. HINDI TRANSLATOR HINDI SECTION
SECOND POSITION	:	MS. SONAM YADUWANSHI, NURSING OFFICER, CT-6 WARD
THIRD POSITION	:	MR. MAYANK GARG, PHYSIOTHERAPIST, DEPTT. OF ANAESTHESIA

Ist Position - Ms. Reena Ran

सतर्कता ज VIGILANCE (निबंध / नारा ले (Essay writing / Slogar

कार्यालय प्रयोग के लिए FOR OFFICE USE ONLY

(कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखे) (Please do not write anything in this portion)

म्राचाचार मुक्त एम्स - विकासित एम्स

' एम्स'- इसके परिचम में क्या कहा जारु, इस संस्थान मा तो नाम ही काफी है। आयुर्विकान के क्षेत्र में समग्त भारत की सर्वोत्त्व , सर्वत्रेष्ठ संस्था है - एम्स । अपने कार्य के लिरु विश्वविद्धपात है - एम्स । लेकिन यह भी सन्य है कि इस संस्थान में भी एक इंसर रूपी रोग, ानेसे ' क्राह्यक्यार' के नाम से जानते हैं, वह पनप रहा हैं। 'मुह्तात्यार' अपति. ' क्राह्य न आत्यर ; क्राह्ट मतलब ' क्रुरा'. अथवा ' खराब' तथा जात्यार मतलब ' आत्यर' । इस तरह अष्टान्यार का झर्थ हुआ - जुरा आवरण अथवा किसी भी मकार का अनेतिक एवं अन्युचित कार्फ !

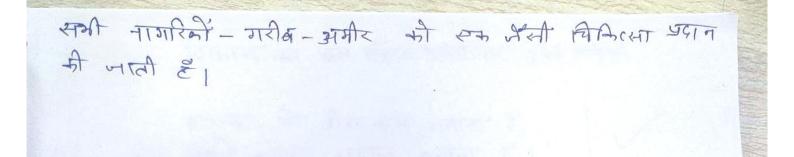
भ्राच्याचार के <u>कई प्रकार</u> होते हे जैसे – रिवन (पूस)लेना, अप्ताह वसूली, कमीशन, आई – अतीजावाद, वलात धन ऐंठन, परीक्षा में नकल, परीक्षार्थी के अंकों को जलत ऑकना, नकली प्वा बेचना, दवा की प्रासिद्धी के लिए पैसे खाना, टॅक्स पौरी करना, ध्रूम मुक्र प्र दर्ज करवाना ऑर ध्रूमी गवाही देना आदि | मुझे दु: म्र्लिट कि - श्स तरह की घनांतिक घटनारें जब मेरे संस्थान में था किसी भी अरंभान अपवा स्थान पर प्वादित होती है । आप्तह यह कह्ट मेरे उन्तिरिक्त ट्मारी सरकार र्श्व आलन व्यवस्था की भी रहा है;

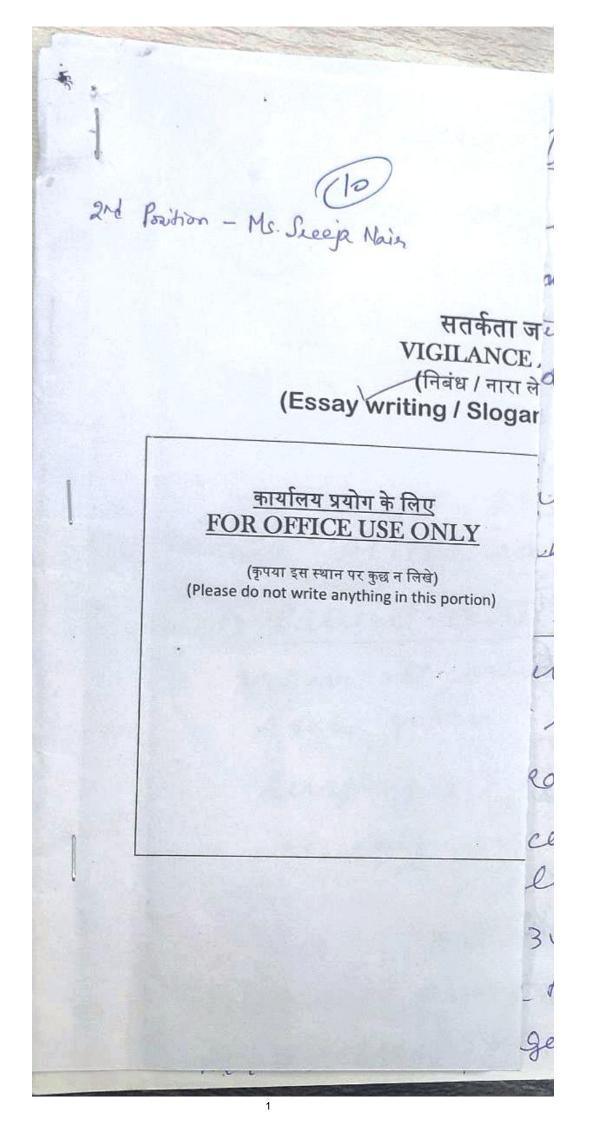
जी उन्होंने इसे रोकने के लिए संख्त कदम भी उठार है। उदाहरण है लिस् क राज्य कि तालग्रीम केंग्रेड में प्रमार - भारतीम दंड संहिता, 1860 100 10 10 10 10 10 10 10 10 18 कि 18 - अल्टानार निवारज आधीनिममं, एवडम - इस आधीनियम को राष्ट्रपति के अध्यादेश जारा अन् 1988 में ' आवित्यक दर्जा' प्रदान किया गया ताकि यह भ्राप्टान्यार के विकल सद्भत कदम उठा सकी Jone 14 Ministry John 153 | "ICXI-III" DIONIT - केंद्रीप सत्रकता आणोग - इस आणोग की स्थापना सन्द 1964 में केंडीम सरकार के संगठनों में जाबी कारियों जारा सतर्भता संवेधनी योजना वनाने, निच्चादन रुटने, समीभा करने अव सुबार करने के लिए की गई थी। इतके साथ ही साथ संपुन्त राष्ट्र साथ दारा अँतर्राट्रीय अन्टरायार विरोधी दिवस की भी कर्रा भाग की गई।

भाषा दिवस 09 हिसंबर को अगा था जाता है। इस हिन सबी नागरिकों को अच्छा यार के छाते जागाह किणा जाता है रुवं अतिता की हैलाई जाती है ताने डेश को

भूररायार मुक्त बनाया जा सके। 'एन्स!' में भी इन सभी उपायों को उपनाथा गया है। हमारे यहाँ भी निष्पम न्याप - टपवस्पा हे तथा सत रित 8 उत्तरित की हैं जो अव्यापार के विरुद्ध खाहमधूर्वक लड़ाई लग रहा है जभा क्रिक की हम सभी संस्थान-वासियों की अध्यानार के उद्याआवों से अवगत कराता ह रुव म्रान्याह से इर रहने से अतिला भी हलाते है। मुझे गर्ब है कि में ऑर मेरे माधीकारीगांघ अपने मामें की बड़ी लिला के साथ बिना भ्राट्याचार दिरु निवर्हन करते हे सिमानेस विकान डेविउ एडम ने कबड़ा सरीक कहा ह The corruption is the best things rites gives rise to so the worst ." अतः हम सभी मुरा ज्यास करते हैं कि हम अपने एनस की भारत गर मुक्त बनाए रखे ताके का जिस तरह " निकित्सा के भेत्र में एम्स नंबर-I हें उसी तर अच्यायार भ्रम्न संस्थान में भी नंबर-1 बन मरे। 98

अही कारण हैं कि अखायार तीक प्रायांक, 2021 में भारत क उक्की & 180 देशों में 85 वे स्थान घर आभा तथा स्मेरी नागा मई वर्षा से इस स्पत्रांस में रेगिरावर की दर्ज मर रहा की जाती हे तथा भूष्टाचार सम्बह हत्र की कमजीर करने में भी समाम ही रहा ही स्वारे टब्स में तिल्कर्षत: हम पह कह सकते हैं कि जिस तरह स्वयक आरीर में अगवान वास करते हैं तथा धर्म वास करता हैं आद @ - अरीमार्य खन् धर्मसाधनम् " बितमूल उसी तरह भ्राटानार भुम्त एम्स में स्टब् मारत ही सुदृढ़ साथाराबीला वाम करती है। मेर किसी में बहुते युव कहा है कि " जब तक हम मही बढेंगे ॥ तब तक हम मही बढेंगे ॥" • भनः यही कारण हे जो हमारे एम्स में भुष्टाचार मुम्ह एमस बनाने के निरु भरमके ज्यास किर जाते हैं।





Corruption True AIIMS - Developed AIIMS.

The title | phrase above, it self reflects an optimistic dream. I dream to work and noit a corruptfree Institute, which happens to be a prionie Hospital and daia's largest hospital. · what exactly is conception? It is an misule of power for pusonal selfish heridits. anuphon at AIMS can exists at more man I levels: 1) Patient-come - Services : Patients who with ATTHS from all corners of the country, even outside are Jen gnen 'leng-dalis ' g appointment, date f Surgery, X-Ray/ Naprostic lests dates et 25 which is not only inconvenient but also has a risk of patient batality due to such long, sometimes years (od-03475) leng dates, In such situations_ quey are prove to become rictims of bridery by briding Arius stats / agents for getting men wale dere easily!

2. Corruption at sensitive areas like infineering departments / Store Departments / Finance Prision. Here, corruption earsts not only in the from of kribery, lout also gorgery, grafting, embezzlement, etc. From a peon to the senior most porchal, the oppurtienty to a exposure of corrupton us extremely high. 3. Corruption in mough outsoming agencies. Areves being a prestisious Snotituite of norldrecognition, recenus grants for narcous research] activities. It is beyond doubt what research at Arius is done per excellence. But anti-social elements which east in every area of work detervrati the standard as well. Mis-inse or cender-use of gunds is a nother firm of compros. 4. Corruptio to 93 me claborali no purther, ture shall be no end to the depth and volume of amyton which aris has to the gream

to develop our mstillite even purstur in every cophere of research, patient - come, administration is depinetely possible if me try to inculcate The following:

1. Regular Using technology & digitalisation in 2 almost all areas of administration, patient-care and other surves. File It is indeed a matter of approxiation that our Institutes is soon going 16 become ' Paper-less' rolitch shall probably be first big Hospital / Instituite in the country to be do 80. It shall hopefully bulgit more than half 4 our corrupt-free Institute 'soon leading it to be a deneloped AlIHS.' &-Filing and E-office would to be one all consol and people shall Red tapism, shouls shall soon be a history, officials shall be answerable and responsibily history, officials shall be answerable and responsibily

of file, would be soon a "thing of the pash,' 2. Moral - Policiny / Practice of yoga / Spinl By in I ich bor AIIN'S slage : It might sound clicke kut un suality, periodic meditation classes A for all genres of employees rocald make them disciplined, self-less and more 'hunan' corruption is something which needs to be rejected 6 som within. Good morals by regular consichon will only boost sincerity ain undrided It shall also act as a stress-burgli. 3. Stricli Engercement of haws/ Rules: Employees I should witness strong renality of employee

5

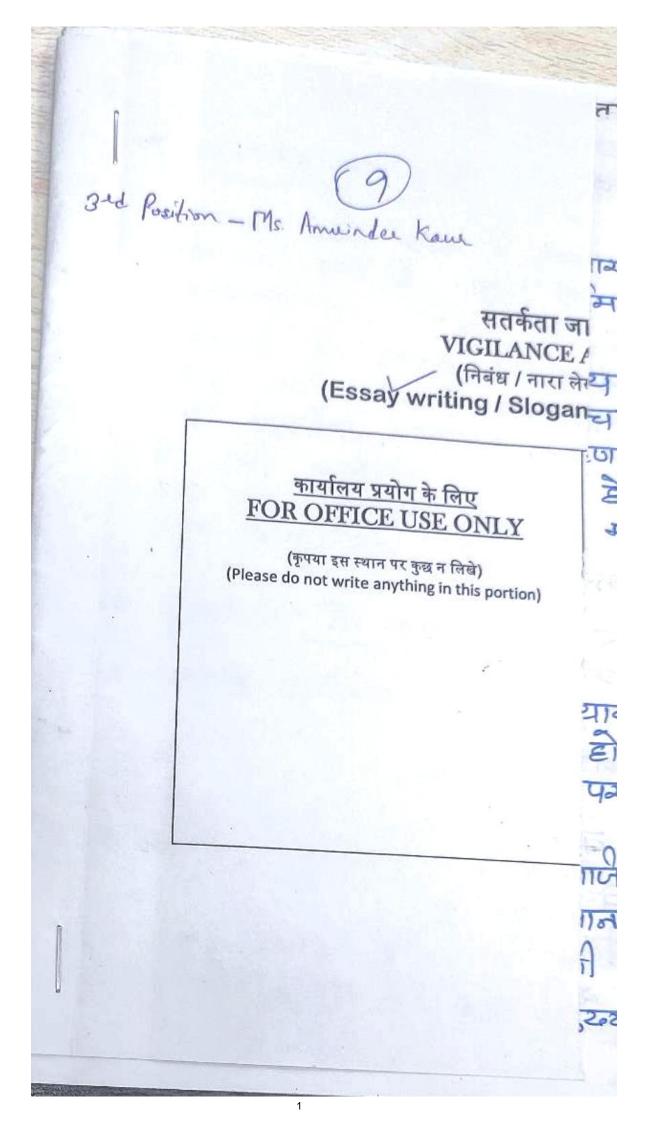
provid guilty. Lessons our seen one

mell-undustood than read.

4. A developed motivite shall also have transparency at all luels, equago equality , at all lucels. All employees of ATTAS must be Treated equally. This means the rules set for punctuality, disupline shall i should be og same for all mespechne of min frade. 5, Proper Incentives: Being an autonomous body like sisport sutting of India, Indian Oil, employees of Arms should be provided kelter enduhrend such shar shen standend are & elevated & quein eyes for any not practice would \$ not be pollutted. They be green better seales and brought up so that they do not even think it doing austing worg.

5) Setting up of CETV : ALING compand " especially patient - come areas be concred mole cento catch on to untoward mordents. 7) Betty near palint dates should be made available sounds palients are not lived. lats hope soon this stall be come the A jouir egoort is required by stadd, patient and administration to realize this heartigul dream. quarte you

SLOGAN . ए ह "भावटाचार - मुन्त समाज, १० भावेष्य का विकारन, करना थे निर्णय आज। 2) - corruption is a silent ter mite, is she society kill it b For "You For a developed Nation, dare to eradicate corruption" compton is a pandemic, it kills our values and growth of nation.



अन्यत्यार मुक्त स्रस्य - विकासित स्रम्स र अप्टाचार मा आर्थ भ्राचार शहर 'भ्राच + आचार' शहरों से ामेलकर बना है। अस्य का अर्थ है ' बुरा, बेईमान', तथा आचार का अर्थ है अष्टाचार से हमारा आभिप्राय ज्याय व्यक्श्या के नियमों के विरुद्ध आपने रखार्थ, लालच आप देतु हम जो अनैतिक रुव अनुमित आचारण व्यहण कर बुरे या स्ट्रान्ट कार्य करते हें उसे आचानार कहते हैं। आखानार बुराई रंत बेईमानी का वह काकव है जो मानव को पूर्ण कप से भार The Proces days there have been * अष्टाचार के कारण 1. अधीख असंतीष - जब ट्याकर के जीवन में कोई कमी या अभाव हो ाजीससे परिणामक्वरुप वह भाराचार की शह पर चलने लगे। 2. दबार्थ, असमानता- & सामाजिक, आर्थिक आदि किसी न भी उकार की असमानता अर्थति भोवभाव मानव को अच्छ कर अमता है। अवार्ध की लालसा भी मनुष्य को भए कर है बनाने का रक मुख्य कारण है।

3. लालच - लालच रका अच्छे भेले व्याकी की सीन्च - समझ को अच्छाई, ईमानवारी की राह से भटका कर अप्टाचार को ओर खींच लाता है।
* रम्स में अच्यचार 1. सरकारी सामग्री का ठालत इस्तेमाल- कई रेखे लोग देखे जोत हैं जो सरकार दारा उपान सामग्री औरा :- पेपर, पेन, आदि को अ रम्स से बाहर और आपने जान पहचान के लोगों में सैसो पैसा कमाने की लालसा में बेच देते हैं। जो कि अच्यचार का ही रका उपा है।
२. गरीव लोगों से पैसा लेकर उनके कार्य करना- कई लोग पैसे के लालच में गरीब रंव आसार मज़्बूर लोग जिन्हें झ्लाज़ की आवश्यकता होती है से पैसा लेकर उनके इलाज़ संबंधी कार्य करवाने में उनकी सहायता करते हैं। यह स्मस के खिलास में एक बहुत बड़ा झाधानार है।
3. अन्ट लोगों खुरा पैसा लेकर कार्ड आदि बनवाना- पिदले दिनों कुछ अच्ह लोगा पार गर जी लोगों से पैसा लेकर उनके इलाज से संबंधी उनके लिए * ओ पी डी कार्ड आदि बनवोन का कार्य करते पार गरा जिससे उन्होंने सम्स संव कई लोगों के साथ आद्याद्या किया।

MISKT THESTER AND AND (1) ईमानदार व्यवस्था (1) समय - समय पर अकरी जॉन्च संव निरीक्षण jii) बैईमान जीगों के ालिस कड़े दंड (iv) आवश्यक रख संख्य मियमों का पालन (V) पकड़े जाने पर तुरंत का आववयक कार्रवाई इन सभी उपर्युक्त उपायों द्वारा रक्स की भ्रष्टाचार मुक्त रूस स्थति एक विकासित रूस्स बनाया जा सकता है। अप्टाचार रक रेसा रोग है जिस्तेन देवा के हर तबके रुवं कीने को बुरी तरह से जमह लिया है। जब तक आहाचार का मिवारण नहीं होगा तब तक देत्रा और रम्स विकासवील से विकासित को ओर नहीं वट पारेगा। मतुष्य -> चेसा, लालच -> भ्रिष्टान्यार स्वार्थ

4

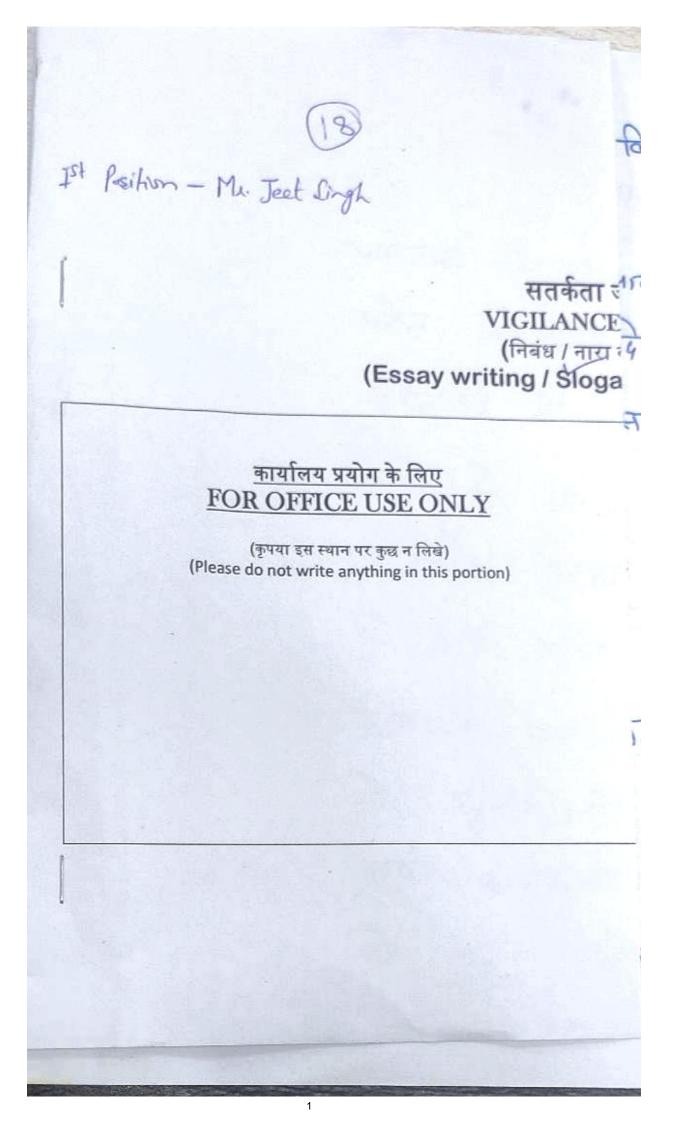
अष्टाचार से देवा खत्रक का पतन हो रहा है। यह स्क गंभीर दोग की तरह तेज़ी से केलता जा रहा है। इसे रोकना अत्यत आवद्यक है।

* अष्टाचार का निवारण

4. मरीज़ों में भैवभाव करना:- कई बार रेसा देखा गया है कि गरीब तबके के लोगों के साथ भेवभाव किया जाता है। उन्हें शुविधारों, मेवारों आदि ठीक से उकान नहीं की जाती है।

बेईमान ऑर अखन्यारी लोगों को सफत दंड रुव सला देना बहुत आवश्यक हे क्योंकि यह समाज के प्रति वह घापी है जिन्होंने क' आज तक देशा का विकासित होते नहीं दिया। इसालिर हर सनुष्य को रेखे लोगों के पार जाते पर उनके व्युलाक स्मव्त कार्रवाई करनी न्याहिश् पैसे के लेन- देन पर लोक लगामी -याहिरी गरीवों की मिस्वार्थ सीवा रुव सहायता करनी - याहिरा स्पटन कदमो या उपायों से ही अच्छान्यार का मिवारण संभव है सीर रहम अध्याचार मुक्त रम्स इन्हीं मिवारणी का रक रेसा उदाहरण उभर कर आरेगा छिससे विकास में अल्यंत सहायता मिलेगी। - देवा के या रागवा पर प्रकार त्यांचा

तारा लेखन विकास का मूल मेंत्र - भ्राखाचार मुक्त समाज Greed rise in Conuption Comption leads in destruction अन्दाचार ही है देवा के पतन का कारण जन्द ही करना होगा हमें क्ष अच्हाचार का मिवारण भाषा करते वाले हैं पापी लेन करते वाले हैं पापी लेन करते वाले हैं पापी पैसों के लिए बेच देते हैं अपना ईमान यही पापी लोग है ल्समाज के अस्त नी बेईमान। जलद ही करता होगा अखान्यार का मिवारण तभी देखा की लिप्त होगा देखा तभी दहीगा देशा का अच्हा आन्यरण।



* निबंध विषय : अण्याभार मुम्ह एम्ह - विकासित एम्ह * "आरमवर्ध के बिस्मार्क" लहे जाने वाले सरपार वल्लन गरि पटेल के जन्म दिवस असीत् 31 अकटू कर को परे आरत वर्ष में सतकी ता स्वच्हाह के रत्य है' मनाया जाता है। अपनी ईमानदारी, सत्यनिण्धा, राण्ट्र के एवं वैचारिन दुढ़ता के लिए विस्तात सरदार पटेल के इन्हीं गुनों को आत्रास्त करने तया एक पारद्वी सामाजित - राजनीतिक तंत्र रूपापितं वरने के उद्देश्य से सनी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों एवं संरूपानें में सतकीता सप्ताह हवी-उल्लास के साज मनामा जाता है। इसी जाम में जारत के अग्रवी

संरणन, वाद्या आर्यन सारतीय आर्यु दिसान संस्थान, -ाई दिल्ली में भी खिलिहा आयोजन अध्विष किने जाने हे ताकि नारों, कार्यशालाओं तला अन्य गतिविद्यियों के आहमत से संस्पान के कर्त्र यादियों को यह संदेश दिया आ सके कि संस्थान की उहारि आ तभी संभव से जब तक यह प्र्रततः क्रण्यात्यार से मुक्त न हें जाए। sis bit is a to will and both सरदार पटेल का मानना जा कि किछी राष्ट्र का पूर्व विवास तकी हो पाएगा जब पह ग्रांग्य दी

मुन्ह होगा त्या क्षा पार परिता, समावेशित अरके एक स्वास्य लोकतंत्र की नींव रखेगा। यही बातें हमारे संस्थान पर की शब्दशः काग्र होती हैं। अर्धात कि कि सिन में विलास अरने के लिए यह आवश्यक है कि सरकारी मतिविधिनों तमा लामकाजों को पारदर्श वनामा जाए। कियोलियों जा स्वारमा जर समी वर्ज के रोजीयों को झाधिकतम सिकित्मिय सेवांष्ट उपलाक्य कारवार जाएं।

पारपर्शिता का महत्व रन्मस्ते हुए ही संस्थान ने हाल ही में काई महत्वपूर्व

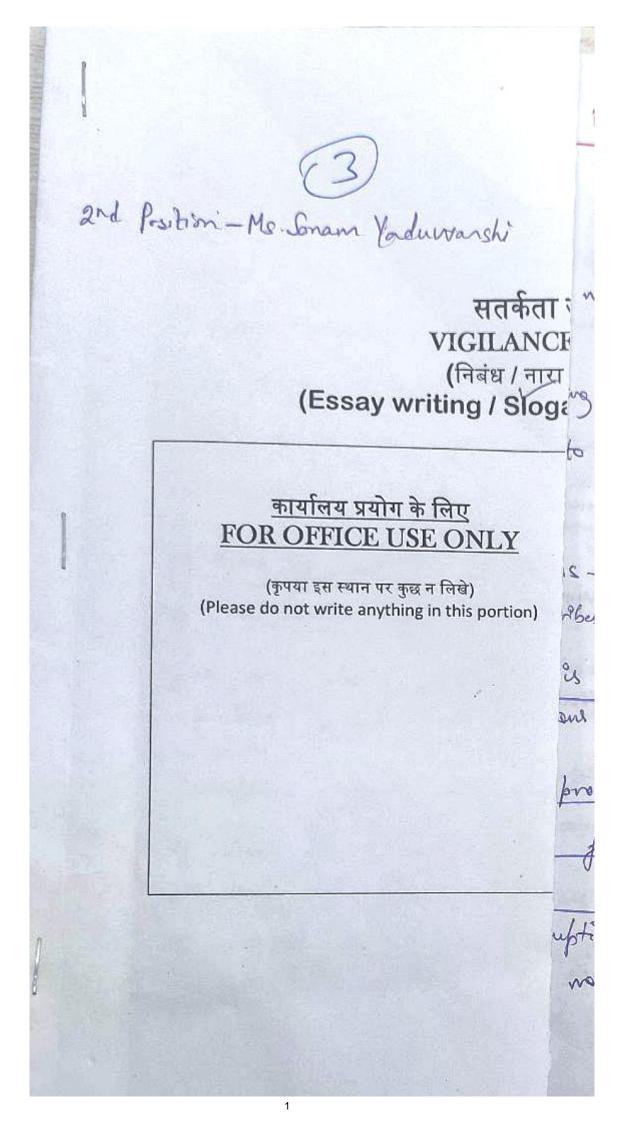
निर्णय लिए हैं। जिनमें से निम्नालिष्यित मुम्य €:-) डिग्जिटली ब्यर ज: - निदेशक महोदय ने अह आदेश जारी किये हैं कि संग्री मारले करी इलेक्ट्रांगिठ आहर्यात्र दे ही जेजा जाए) इस एक निर्वम से न केवल पारपार्शना रव्यापित होगी जल्क भारत सरकार कर पेपरलेस (काराज रहिन) योजना के का भी अनुसरग होगा र्यते ग्राटालार पर भी प्राप्त भारत किस्ति करते हिंदिन हिंदिन के arti vas &-itanis as univeri

कियोकियों से मुक्ति :- जनहित में एक ओर निर्वन तेने इए एम्स के निदेशक महादय ने आदेश जाती कर यह साम कर दिया है कि कोई भ जांज एम की वाहरी प्रयोग शाला हो देन नहीं अत्वर्ग्ध जास्त्री इसके वार्रिक रोजीयों को वडत सहामता किलेमी तवा संभगत में दिकाह and othe march 1 3) वास्त्रियान दीरे :- एमन के निदेशन महोदय ने भूरे संस्थाइ हैं व्यक्तिल दृष्ट्रि किने हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि

संस्थान में किन विकामों एवं दोनां मे खादेपुरु लाभि लारने की आवश्यकार है। भे तीनों कार्रवाईमां यह सुनिस्मित कर देती हैं कि एक आर्गार के भुक्त भी और अग्रतर है जिनके मलस्वत्वर् उसके विकास A site this and that unerty किंद छांगित प्रवाह कोवल एक सेनापति र्म सहारे यह नरीं जीरे जारे वेंछे में केवल रिय व्यक्ति सहारे हम प्रमु को गुम्हागार-युह

एवं विकारित नहीं करा पांग्री कर! स्ली-कर्त्र भारित्यों, अचि कारियों तन्म संवाय -सदस्यों करी एक भाज जिलकार ज्यारामार के विसह जंजा हेर्ड्स केमे जन दिया होस्कान का विकास मुनिस्पित करना होगा | तभी हम लोह पुरत्य को सपनी को सात्नार जर माएंगे।

नारा लोखना " अएटा मारं ष्टे एक जीमारी (1) दार्ग्डल हो हर अण्टाचारी " " जन-जन का अब यही है नारा भूण्यात्रार् मुम्त समाज हमारा " 121



CORRUPTION FREE AUMS + DEVELOPED AIMS

"⁶⁶ for want to get something done; better take something in your pocket." ⁷⁰ Comption, simply defined; is a way of getting things done using and and furnitive and watery measure. Like bribing to get administron in defined colleges even inthand required educational qualification, bisting people to vin (as to carefy say, buy) their rotes, using woney and approach to free a criminal of accused charges - these are all corruption.

speaking of coursphere in AIMS - it is as <u>kimple</u> as witting in the line of OPD appointment and as <u>complex</u> as taking bribes of endra charges to provide treatment.

If we see closely cossuption is everywhere, it is none wooted in our society, in our thinking, and even in our mest basise acts.

Corruption affects and compromises the rights I willness of others innocents.

If there is a worst place for comption to be wit is in a helpital, that too in a justicey level helpital like Allows, here it doesn't gust compromise the eight of innocente, in Allows consuffion literally compromises the health 2 ye of innocent patients I of hardworking healthcare workers I stoff of Allows. Causes of costraption in AllMS - + The most basic I findamental cause of countition is the thirst of people to have more more inoney, luxury iste.

- + the lock of a moter d'spiritual conscience also plays a sale in comptime. + Unperd and uncatefred workforce of Arms:
- uncancy in following rules

Monards deutoping a comption from AIMIS ->

- -AIME its people the health care staff, the wavagement, the administration, the human subscures of AIIME.
- And if we with to evadicate comption from Anns, we would need to improve their sectors -
 - The schip of vajlance committee and centre that would keep an eye of on the actuation going accural in Arms.
 - + Lours, rules frequlations card down to prevent comption
 - I strict inswance of these land.
- Punishmente I fines for excluptive activities
-] -> Apreading & creating awalences in the workforce of AllMS. tomade conleption.

A -> Rewards for helping in eladicating comption. modal & sprinteral conscience towards) - Atintes that intend to generate & boost avoiding comption. 1 -> Educating people about a comption free way of life. -> Strongthing the infractive ladminutration of Alims - to make it shong enough not to stake from the blom of comptotes. - The functional unit of Allons is its individual employee & individual patient. oreating a comption free mindset of these individuals is the most base I most important way to vid Arms off comption. 66 The change starts with us !" - Change try, change to day. Change the way of along things. Only by overding comption is our most barre activity today will wake us strong to avoid comption at a large scale tomotion. to start today - where you are, with all you have, and do all you can " Change a could for thought today, Change a compture Arims torrorrom.

And we can all dream of a comption free Annes - dedicated to its patient, cuting illness and patients, and also being a pole model for avering the nation of corruption a because that's what Annes does belt - <u>CURE</u>.

SLOGAN - CORE OF DEVELOPMENT - CORRUPTION FREE SOCIETY -> Coulifture society is a durupture society. -> भ्राष्टाचार जीहत होगा भारत. तन्त्री तो अल्बल होगा भारत रो . The the the side and the same a last + भरेगा भारत, तो छेर्ने बहुंगा आमे भारत? क्यों धूस भरती, जब अच्छी हे जरती? 85 -> why pay, when you can say? Raire a voire against comption. अव बीलीगा ईडिया, हक रवरीद जर तही जीत जर लेगा इंडिया !!!



3rd Position - Mr. Mayank Gaeg

सतर्कता ज VIGILANCE (निबंध / नारा रं (Essay writing / Sloga

3

0

कार्यालय प्रयोग के लिए FOR OFFICE USE ONLY

(कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखे) (Please do not write anything in this portion)

SLOGAN OTTET " जब अल्टाचार होगा अस्वीकार्य, तब देश- प्रगति होगी जनिवार्य '' 80 3 1. ' ईमानदारी के बीकर बीज, अव्याचार की मिटेगी नींच।" 2.